एक नजर

कपिल के बयान से भड़के छात्र

भुवनेश्वर। देश के 44 डिम्ड विश्वविद्यालयों के साथ उड़ीसा के शिक्षा क्षेत्र में नंबर एक माने जाने वाले शिक्षा और अनुसंधान डिम्ड विश्वविद्यालय की भी मान्यता रद्द करने के बयान केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के बयान से छात्र भड़क गए हैं। श्री सिब्बल के बयान के विरोध में छात्र आंदोलन कर रहे हैं। छात्रों ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में 6500 विद्यार्थी एवं 900 कर्मचारी हैं। डिम्ड विश्वविद्यालय द्वारा आइटीआइ, इंजीनियरिंग कॉलेजे संचालित होता है। छात्रों ने कहा कि इस कॉलेज के शत प्रतिशत छात्रों को विभिन्न कंपनियों द्वारा अच्छे वेतन पर लिया जाना ही यहां की शिक्षा का मानदंड है। यूजीसी द्वारा भी इस डिम्ड विश्वविद्यालय को ए प्लस सर्टिफिकेट दिया गया है। इसका विरोध यूजीसी सदस्य अच्युत सामंत ने भी विरोध किया है।

सुनवाई 25 को

भुवनेश्वर । शिक्षा और अनुसंधान डिम्ड विवि समेत अन्य ऐसे संस्थानों की मान्यता के संबंध में 25 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। मान्यता खत्म करने के कैन्द्र सरकार के फैसले के खिलाफ बुधवार को महिपाल जैन ने एक विस्तृत अपील सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है।

उल्लेखनीय है कि ओड़िशा के शिक्षा और अनुसंधान डिम्ड विश्वविद्यालय के साथ देश के 44 ऐसे विश्वविद्यालयों की मान्यता रद्द करने का फैंसला किया गया है। गौरतलब है कि इन संस्थानों में लाखों छात्र पढ़ते हैं जिनका भविष्य इन संस्थानों की मान्यता से जुड़ा हुआ है।